No. of Printed Pages : 4

MMDE-076

00663

M.ED. SPECIAL EDUCATION - HEARING IMPAIRMENT (MEDSEHI)

Term-End Examination

June, 2016

MMDE-076 : CURRICULUM AND TEACHING STRATEGIES FOR CHILDREN WITH HEARING IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *(i) Both **Part-A** and **Part-B** are **compulsory**.*

(ii) Marks are allotted against each question.

PART - A

Answer **any three** questions from Q. No. **1 - 5**.

Each question carries **5** marks.

1. Why is curriculum adaptation and special teaching strategies for children with hearing impairment required ? Explain. **5**

2. What do you mean by Verbal Communication ? How is it related to multisensory mode ? **5**

3. What are the criteria to be followed for framing curriculum for hearing impaired children ? Explain. **5**

4. How will you carry out the curriculum evaluation ? Discuss. **5**

5. "Adapting curriculum for children with hearing impairment in inclusive education is a challenge". Discuss. **5**

PART - B

Attempt **any four** questions from Question No. **6 - 11**. Each question carries **15** marks. Q. No. **11** is **compulsory**.

6. Explain the different steps and processes required to develop curriculum. **15**

7. Discuss how and why a teacher for hearing impaired child needs a curriculum addressing the issues of hearing impairment. **15**

8. Write an essay on "Cognitive approaches to counselling" for parents of deaf children. **15**

9. "Pre-vocational Education is an important component for students with hearing impairment". Justify the statement. **15**

10. How can a special curriculum for hearing impaired be prepared for "open schooling system" ? Discuss. **15**

11. Write short notes on **any three** of the following : **5x3=15**
    (a) Curriculum adaptation
    (b) Academic concession
    (c) Curriculum for parents having hearing impaired child for home training
    (d) e-curriculum
    (e) Curricular domains

एम.एड. विशेष शिक्षा - श्रवण बाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.एच.आई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

एम.एम.डी.ई.-076 : श्रवण अक्षम बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं अध्यापन नीतियाँ

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : (i) *दोनों **भाग - अ** तथा **भाग - ब अनिवार्य** हैं।*
(ii) *प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।*

भाग - अ

प्रश्न संख्या 1 - 5 में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. श्रवण बाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम अनुकूलन एवं विशेष शिक्षण नीतियाँ क्यों अनिवार्य हैं? व्याख्या करें। 5

2. मौखिक संप्रेषण से आप क्या समझते है? यह किस प्रकार से बहु-इंद्रीय माध्यम से संबंधित है? 5

3. श्रवण बाधित बच्चों हेतु पाठ्यक्रम निर्माण के क्या मापदण्ड हैं? व्याख्या करें। 5

4. आप पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे? चर्चा करें। 5

5. "समेकित शिक्षा में श्रवण-बाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम अनुकूलन एक चुनौती है।" चर्चा करें। 5

भाग - ब

6 - 11 प्रश्नों में से **किन्हीं चार** का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। प्रश्न संख्या 11 **अनिवार्य** है।

6. पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न चरणों एवं प्रक्रियाओं का वर्णन करें। 15

7. एक श्रवण-बाधित बच्चे के शिक्षक को श्रवण-बाधिता से जुड़े हुए मुद्दों को ध्यान में रख कर बनाये हुए पाठ्यक्रम की आवश्यकता कैसे और क्यों है? चर्चा करें। 15

8. श्रवण-बाधित बच्चों के अभिभावकों के लिए "परामर्श की संज्ञानात्मक एप्रोच" पर एक लेख लिखें। 15

9. "पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा श्रवण-बाधित विद्यार्थियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण भाग है"। इस कथन की न्यायोचित व्याख्या करें। 15

10. "मुक्त विद्यालय प्रणाली" हेतु किस प्रकार श्रवण बाधिता पर विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया जा सकता है? चर्चा करें। 15

11. **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : 5x3=15

(a) पाठ्यक्रम अनुकूलन

(b) शैक्षिक रियायतें (छूट)

(c) श्रवण-बाधित बच्चों के अभिभावकों के लिए गृह प्रशिक्षण हेतु पाठ्यक्रम

(d) ई-पाठ्यक्रम

(e) पाठ्यक्रम क्षेत्र